रूपरेखा

शोध विषय : "स्वदेश दीपक के समग्र साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन"

Research Topic: "Swadesh Deepak Ke Samagra Sahitya Mein Abhivyakt Samasyaon Ka Anushilan"

प्रथम अध्याय : साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का सैध्दांतिक विवेचन

1. साहित्य एवं समस्या का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. समस्या के विभिन्न प्रकार
3. सामाजिक समस्या
4. धार्मिक समस्या
5. आर्थिक समस्या
6. सांकृतिक समस्या
7. राजनैतिक समस्या
8. शैक्षिक समस्या

द्‌वितीय अध्याय: स्वदेश दीपक के नाटकों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

1. पारिवारिक समस्या
2. आर्थिक समस्या
3. शोषण की समस्या
4. भ्रष्टाचार की समस्या

5. न्याय व्यवस्था की समस्या

6. जातियता की समस्या

7. नारी समस्या

8. राजनैतिक समस्या

9. अमानवीयता की समस्या

10. प्रेम के खोखले आदर्श की समस्या

11. भिक्षा वृत्ति की समस्या

12. अंधश्रद्धा की समस्या

तृतीय अध्याय: स्वदेश दीपक की कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

1. दांपत्य जीवन में अलगाव की समस्या

2. काम समस्या

3. विवाह बाह्य संबंध की समस्या

4. बलात्कार की समस्या

5. भ्रष्टाचार की समस्या

6. राजानैतिक समस्या

7. बेरोजगार की समस्या

8. गरीबी की समस्या

9. अंतर्द्वद्व की समस्या

10. शिक्षा में ट्यूशन की समस्या

11. झोपडपट्टी की समस्या

चतुर्थ अध्याय: स्वदेश दीपक के उपन्यासों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

1. पारिवारिक समस्या
2. काम समस्या
3. सुख की तलाश की समस्या
4. अकेलेपन की समस्या
5. व्यसनाधीनता की समस्या
6. युद्ध की समस्या

पंचम अध्याय :स्वदेश दीपक के समग्र साहित्य का शिल्प विधान

1. वर्णनात्मक शैली
2. आत्मकथनात्मक शैली
3. नाटकीय शैली
4. हास्यव्यंग्यात्मक शैली
5. मनोवैज्ञानिक शैली
6. पूर्वदीप्ति शैली

उपसंहार

परिशिष्ट

संदर्भ ग्रंथ सूची

स्वदेश दीपक के समग्र कथा साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

प्रस्तावना :-

स्वदेश दीपक गुजरी हुईं सदी के 8 वें दशक से अब तक लब्द प्रतिष्ठित रचनाकार है। साहित्य समाज का दर्पण होता है। स्वदेश दीपक के जीवन का सबसे बड़ा आयाम उनकी अनूठी रचनात्मकता, इसी रचनात्मकता के माध्यम से इन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से युगीन समस्याओं को समाज के सम्मुख प्रस्तुत करने का कार्य किया है। स्वदेश दीपक एक यथार्थ वादी परंपरा के रचनाकार हैं। इनके साहित्य में समाज की त्रासदी का यथार्थ वर्णन हुआ है। जैसे भारतेंन्दु, मोहन राकेश, भीष्म सहानी जैसे नाटककारों ने राजनैतिक, पारिवारिक जीवन, राष्ट्रीय चेतना को प्रतिनिधित्व करते हुए अपने साहित्य की रचना की है वहीं स्वदेश दीपक ने भी पारिवारिक,राजनैतिक एवं राष्ट्रीय चेतना को अपने साहित्य का आधार बनाया। स्वदेश दीपक का साहित्य इतना संवेदनशील है कि संपूर्ण समस्याएं उसमें समाहित हो जाती है। भारत जैसे विशाल देश में अनेक समस्याएं देखने को मिलती हैं। हर एक क्षेत्र का अपना अस्तित्व होता है और वह समस्याओं से घिरा रहता है। स्वदेश दीपक ने अपनी लेखनी के माध्यम से अन्याय के शिकार हुए पीड़ित समाज को वाणी देने का कार्य किया है। स्वदेश दीपक अंग्रेजी के अध्यापक होते हुए भी उन्होंने हिंदी साहित्य और समाज की समस्याओं को सरल भाषा में लिखकर मानवीयता तथा संवेदना के स्थापक एवं रचनाकार बने। इन्होंने अपने साहित्य मेंअधिकतम भारतीय सैनिकओं के संघर्ष को अपने साहित्य में दर्शाया है। ऐसे यथार्थवादी तथा प्रतिष्ठित रचनाकार के साहित्य को लेकर अध्ययन करने का अवसर मुझे मिला है। मैं इसके लिए विश्वविद्यालय की आभारी हूँ।

मैंने अध्ययन के सुविधा हेतु शोध अध्ययन को पांच अध्यायओं में विभाजित करने का स्तुत्य प्रयास किया है।

प्रथम अध्याय : साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का सैध्दांतिक विवेचन

साहित्य और समस्या का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप से संबंधित रहा है। यह अध्याय सैध्दांतिक होने के कारण साहित्य और समस्या एवं उसके विविध प्रकारों लेकर आलोचना की गयी है। इसमें मैंने साहित्य और समस्या का अर्थ, परिभाषा से लेकर समस्या के आवश्यक प्रकारों पर चिंतन प्रस्तुत करते हुए साहित्य में पाए जानेवाली उपेक्षित समस्याओं पर विस्तार रूप से प्रकाश डालने का कार्य किया है।

द्वितीय अध्याय : स्वदेश दीपक के नाटकों में अभिव्यक्त समस्यायों का अनुशीलन

स्वदेश दीपक के नाटकों में अभिव्यक्त समस्यायों का अनुशीलन विषय पर आधारित है। इस अध्याय में मैंने स्वदेश दीपक के नाटकों में अभिव्यक्त समस्याओं का विश्लेषण किया है। स्वदेश दीपक के नाटक कोर्ट मार्शल, नाटक बाल भगवानदास, जलता हुआ रथ, सबसे उदास कविता, काल कोठरी नाटकों में अभिव्यक्त समस्याओं को विस्तार रूप से विश्लेषित करते हुए स्वदेश दीपक के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट करने का कार्य किया है।

तृतीय अध्याय : स्वदेश दीपक की कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

स्वदेश दीपक की कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन इस विषय पर आधारित है।इस अध्याय में मैंने स्वदेश दीपक के कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं का विश्लेषण किया है। स्वदेश दीपक के कहानी संग्रह मातम, तमाशा, प्रतिनिधी कहानियाँ, बाल भगवान, बगुगोशे, अश्वरोही मसखरे कभी नहीं रोते आदि, कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं के साथ साथ अनेक

पीड़ितों एवं शोषितों के संघर्ष को अपनी रचनाओं में स्थान देकर उनके जीवन से परिचय करवाने का कार्य करवाने का कार्य किया है।

चतुर्थ अध्याय : स्वदेश दीपक के उपन्यासों में अभिव्यक्त समस्यायों का अनुशीलन

इस अध्याय में मैंने उनके उपन्यासों में पीड़ित, शोषित लोगों का संघर्ष, युद्ध की समस्या, व्यसनाधीनता, अकेलापन आदि समस्याओं का विश्लेषण करने का प्रयास किया है।

पंचम अध्याय : स्वदेश दीपक के समग्र साहित्य का शिल्प विधान

शोध का उद्देश्य :

स्वदेश दीपक हिंदी साहित्य के अप्रतिम नाटककार तथा रचनाकार है। उनका साहित्य पाठक वर्ग को आकर्षित मात्र नहीं करता बल्कि उनमें नयी ऊर्जा का संचार भी करता है। ऐसे साहित्यकार को अपने शोध अध्ययन का विषय बनाना एवं पाठक वर्ग के सम्मुख उनके विचारों को रखना मेरे लिए गर्व की बात है। स्वदेश दीपक गुजरी हुईं सदी के 8 वें दशक से अब तक के साहित्यकारों में संवेदना के धरातल पर अपनी एक अनूठी पहचान स्थापित करते है।क्योंकि उनकी रचनाओं की विषय वस्तु समाज एवं देश के रक्षक (सैनिकों) और वहाँ की समस्याओं पर केंद्रित है। इसीलिए उन्हें यथार्थवादी परंपरा के लेखक के रूप में भी जाना जाता है। इस प्रकार स्वदेश दीपक के साहित्य पर शोधकार्य करना मेरा उद्देश रहा है।

शोध की उपलब्धियाँ :

शोध करना अपने आप में एक फक्र की बात है। शोध के बिना कोई भी वस्तु ये विषय प्रकाश में नही आता है। इसलिए शोध एक निरंतर प्रक्रिया है। शोध द्वारा रचनाकार के समग्र साहित्यिक अवदान को अध्ययन किया जा सकता है। अंतः मेरे शोध द्वारा स्वदेश दीपक के समग्र साहित्य का मूल्यांकन करते हुए साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन भी एक महत्वपूर्ण

उपलब्धि रहेगी। लेखक का रचनाकाल उस समय का दर्पण होता है। इस दर्पण में अपने यथार्थ के चित्र को लेखक ने जिस प्रकार प्रस्तुत किया है। उसे यथावत सामनेलाना मेरे शोध की उपलब्धि है। समाज में साहित्यकार स्वदेश दीपक के साहित्यिक योगदान को सम्मुख रखने का जो कार्य हुआ है यही शोध की उपलब्धि है।

रूपरेखा

शोध विषय : “स्वदेश दीपक के समग्र साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन"

Research Topic: "Swadesh Deepak Ke Samagra Sahitya Mein Abhivyakt Samasyaon Ka Anushilan"

प्रथम अध्याय : साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का सैध्दांतिक विवेचन

1. साहित्य एवं समस्या का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. समस्या के विभिन्न प्रकार
3. सामाजिक समस्या
4. धार्मिक समस्या
5. आर्थिक समस्या
6. सांकृतिक समस्या
7. राजनैतिक समस्या
8. शैक्षिक समस्या

द्वितीय अध्याय: स्वदेश दीपक के नाटकों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

1. पारिवारिक समस्या
2. आर्थिक समस्या
3. शोषण की समस्या
4. भ्रष्टाचार की समस्या

5. न्याय व्यवस्था की समस्या

6. जातियता की समस्या

7. नारी समस्या

8. राजनैतिक समस्या

9. अमानवीयता की समस्या

10. प्रेम के खोखले आदर्श की समस्या

11. भिक्षा वृत्ति की समस्या

12. अंधश्रद्धा की समस्या

तृतीय अध्याय: स्वदेश दीपक की कहानियों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

1. दांपत्य जीवन में अलगाव की समस्या

2. काम समस्या

3. विवाह बाहय संबंध की समस्या

4. बलात्कार की समस्या

5. भ्रष्टाचार की समस्या

6. राजानैतिक समस्या

7. बेरोजगार की समस्या

8. गरीबी की समस्या

9. अंतर्द्वद्व की समस्या

10. शिक्षा में ट्यूशन की समस्या

11. झोपडपट्टी की समस्या

चतुर्थ अध्याय: स्वदेश दीपक के उपन्यासों में अभिव्यक्त समस्याओं का अनुशीलन

1. पारिवारिक समस्या
2. काम समस्या
3. सुख की तलाश की समस्या
4. अकेलेपन की समस्या
5. व्यसनाधीनता की समस्या
6. युद्ध की समस्या

पंचम अध्याय :स्वदेश दीपक के समग्र साहित्य का शिल्प विधान

7. वर्णनात्मक शैली
8. आत्मकथनात्मक शैली
9. नाटकीय शैली
10. हास्यव्यंग्यात्मक शैली
11. मनोवैज्ञानिक शैली
12. पूर्वदीप्ति शैली

उपसंहार

परिशिष्ट

संदर्भ ग्रंथ सूची